हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

17 सितम्बर, 2007

खण्ड-2, अंक-1

अधिकृत विवरण

विषय सूची

सोमवार, 17 सितम्बर, 2007

	पृष्ठ संख्या
शोक प्रस्ताव	1—15

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 17 सितम्बर, 2007

विधान सभा की बैठक, विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में बाद दोपहर 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री रघुवीर सिंह कादियान) ने अध्यक्षता की।

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now, the Hon'ble Chief Minister will make obituary references.

श्री चन्द्रशेखर, भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री

यह सदन भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्री चन्द्रशेखर के 8 जुलाई, 2007 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 1 जुलाई, 1927 को हुआ। वे 1962 से 1977 तक लगातार तीन बार राज्य सभा के सदस्य रहे। वे 1977, 1980, 1989, 1991, 1996, 1998, 1999 तथा 2004 में लोक सभा के लिए चुने गए। उन्होंने 10 नवम्बर, 1990 से 21 जून, 1991 तक भारत के प्रधानमंत्री पद को सुशोभित किया।

वे एक निर्भीक और संघर्षशील नेता थे, जिनकी प्रजातान्त्रिक मूल्यों में गहरी आस्था थी। वे ईमानदारी, सादगी और मानवता की प्रतिमूर्ति थे। वे सच्चे धर्म निरपेक्ष एवं राष्ट्रवादी जन नेता थे।

वे स्वाभिमानी, अनुशासनप्रिय और स्पष्टवादी थे। श्री चन्द्रशेखर अपने पांच दशक के राजनीतिक जीवन में बुलन्दियों तक पहुंच कर भी अपनी मिट्टी से जुड़े रहे और सादगी का जीवन व्यतीत किया। उन्होंने आम आदमी की जरूरतों को पूरा करने के लिए निःस्वार्थ संघर्ष किया।

उन्होंने लोगों के साथ सम्बन्ध स्थापित करने और उनकी समस्याओं को समझने के उद्देश्य से 1983 में कन्याकुमारी से राजघाट, नई दिल्ली तक 4260 किलोमीटर की पद यात्रा की। उनका हरियाणा से भी काफी गहरा संबंध था। उनका काफी समय भौंडसी में गुजरता था। व्यक्तिगत तौर पर हमारे परिवार के साथ उनके काफी अच्छे संबंध थे। उनके निधन से कुछ दिन पहले ही उनका टैलीफोन आया और उन्होंने कहा कि आप मुझसे मिलने आयें। उन्होंने उस बातचीत के दौरान एक ही बात कही कि एक बार मैं आपके पिताजी से मिलना चाहता हूं। लेकिन उनसे मिल पाने से पहले ही हमारे को वे छोड़कर चले गए।

उनके निधन से देश एक अनुभवी सांसद, एक योग्य प्रशासक और एक समर्पित समाजवादी की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री बनारसी दास गुप्त, हरियाणा के भूतपूर्व मुख्यमंत्री

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व मुख्यमंत्री श्री बनारसी दास गुप्त के 29 अगस्त, 2007 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

[श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा]

उनका जन्म 5 नवम्बर, 1917 को हुआ। उन्होंने राष्ट्र के स्वाधीनता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने भारत छोड़ो आन्दोलन में भी भाग लिया और जेल गए।

उन्होंने 1938 में जीन्द राज्य प्रजा मंडल की स्थापना की और इसके सचिव एवं अध्यक्ष रहे। वे 1946 में जीन्द राज्य असैम्बली के निर्विरोध सदस्य चुने गए। उन्होंने भूदान आन्दोलन के दौरान अनेक पद यात्राएं की और भूमिहीनों में बांटने के लिए हजारों एकड़ भूमि दान करने के लिए लोगों को प्रेरित किया।

श्री गुप्त 1968, 1972 और 1987 में हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गए। वे 1972-73 के दौरान हरियाणा विधान सभा के अध्यक्ष बने और 1973-88 के दौरान मंत्री भी रहे। वे 1987-90 के दौरान हरियाणा के उप-मुख्यमंत्री भी रहे। वे 1975 और 1990 में हरियाणा के मुख्यमंत्री बने। वे 1996 में राज्य सभा के लिए चुने गए। श्री गुप्त सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध आजीवन संघर्षरत रहे। उन्होंने हमेशा गरीबों एवं दलितों के उत्थान के लिए कार्य किया। वे अनेक ख्याति-प्राप्त शिक्षण संस्थाओं से जुड़े रहे। वे बहुत कर्मठ स्वतंत्रता सेनानी भी थे। और उन्होंने सादगी से अपना जीवन व्यतीत किया। हरियाणा वासी उनको अच्छी तरह से जानते थे।

उनके निधन से देश एक स्वतन्त्रता सेनानी, सांसद और एक योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

डॉ० साहिब सिंह वर्मा, दिल्ली के भूतपूर्व मुख्यमंत्री

यह सदन दिल्ली के भूतपूर्व मुख्यमंत्री डॉ० साहिब सिंह वर्मा के 30 जून, 2007 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 15 मार्च, 1943 को हुआ। वे 1977-89 के दौरान मैट्रोपॉलिटन काउंसिल, दिल्ली के अध्यक्ष रहे। वे 1993 में दिल्ली विधान सभा के लिए चुने गए तथा 1993-96 के दौरान मंत्री रहे। वे 1996 में दिल्ली के मुख्यमंत्री बने। मुख्यमंत्री के रूप में ग्रामीण विकास की बहुत सी योजनाएं क्रियान्वित करवाने में डॉ० वर्मा की अहम भूमिका रही। दिल्ली कृषि पशु संरक्षण अधिनियम तथा दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम बनवाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे 1999 में लोक सभा के लिए चुने गए तथा 2002-04 के दौरान केन्द्रीय मंत्री रहे। वे किसानों और मज़दूरों के सच्चे हितैषी थे। हरियाणा से उनका बड़ा भारी लगाव था।

उनके निधन से राष्ट्र एक सांसद और योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री फकीर चन्द अग्रवाल, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री फकीर चन्द अग्रवाल के 19 अगस्त, 2007 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 15 सितम्बर, 1914 को हुआ। वे 1967 में हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गये। लाला जी के नाम से प्रसिद्ध श्री फकीर चन्द अग्रवाल तीन बार 'अम्बाला बार एसोसिएशन' के अध्यक्ष रहे।

उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री कुन्दन लाल, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री कुन्दन लाल के 15 अप्रैल, 2007 को हुए दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 1916 में हुआ और 1982 में वे हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गये। उन्होंने गरीबों एवं दलितों के उत्थान के लिए काम किया। वे अनेक शैक्षणिक एवं धार्मिक संस्थाओं से जुड़े रहे।

उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री चूहड़ सिंह जो पंजाब विधान सभा के लिए भी वर्ष 1962 में चुने गये थे, के दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है। उनके निधन से राज्य एक अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

हरियाणा के स्वतन्त्रता सेनानी

यह सदन उन श्रद्धेय स्वतन्त्रता सेनानियों के दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है, जिन्होंने हमारे देश की आजादी के संघर्ष में अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

इन महान् स्वतन्त्रता सेनानियों के नाम इस प्रकार हैं :

1. श्री अमीलाल, गांव चन्द्रावल, जिला फतेहाबाद।
2. श्री लाल सिंह, गांव गंगा, जिला सिरसा।
3. श्री सूरज प्रकाश, जगाधरी, जिला यमुनानगर।
4. श्री हीरा लाल, गांव बनवारी, जिला फरीदाबाद।
5. श्री बनवारी लाल, गांव सौकडा, जिला करनाल।
6. श्री हिरदय राम, गांव कैमला, जिला करनाल।
7. श्री दुलीचन्द, गांव डूमरखां खुर्द, जिला जीन्द।
8. श्री नेतराम, गांव उन्हानी, जिला महेन्द्रगढ़।
9. श्री धन सिंह, गांव दिनोद, जिला भिवानी।
10. श्री सूरज भान, गांव डीघल, जिला झज्जर।
11. श्री भीम सिंह, रोहतक।
12. श्री कन्हैया राम, गांव मल्लेकां, जिला सिरसा।
13. श्री रामस्वरूप, गांव किशनपुरा, जिला जीन्द।

[श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा]

14. श्री रिसाल सिंह, गांव भैंसवाल कलां, जिला सोनीपत।

15. श्री मातादीन, गांव निमोठ, जिला रेवाड़ी।

16. श्री छोटू राम, गांव मातन, जिला झज्जर।

17. श्री केवल सिंह, गांव रभड़ा, जिला सोनीपत।

18. श्री लेख राम, गांव चौटाला, जिला सिरसा।

19. श्री रण सिंह, गांव धांधलान, जिला, झज्जर।

20. श्री शेर सिंह, गांव मांढीहरिया, जिला भिवानी।

21. श्री सहीराम, गांव भोडा होशनाक, जिला फतेहाबाद।

22. श्री बोदन सिंह, गांव खंडोरा, जिला रेवाड़ी।

23. श्री महासिंह, गांव किलाजफरगढ़, जिला जीन्द।

24. श्री आई०डी० वर्मा, सोनीपत।

25. श्री बीरबल राम, गांव मुरटवाला, जिला सिरसा।

26. श्री बलबीर सिंह, गांव कान्हड़वास, जिला रेवाड़ी।

27. श्री श्रीचंद, गांव किरतान, जिला हिसार।

28. श्री दरियाव सिंह, गांव करौंथा, जिला रोहतक।

29. श्री सूरत सिंह, गांव छारा, जिला झज्जर।

30. श्री नान्हू राम, गांव नांगल खेड़ी जिला पानीपत।

31. श्री जोगिन्द्र सिंह, गांव शरीफगढ़, जिला कुरुक्षेत्र।

32. श्री निहाल सिंह, गांव किलाजफरगढ़, जिला जीन्द।

33. श्री सूरत सिंह, गांव बरोदा, जिला सोनीपत।

यह सदन इन महान् स्वतन्त्रता सेनानियों को शत्-शत् नमन करता है और इनके शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

हरियाणा के शहीद

यह सदन उन वीर सैनिकों को अश्रुपूर्ण विदाई देता है, जिन्होंने हमारी मातृभूमि की एकता और अखण्डता की रक्षा के लिए अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया।

इन महान् शहीदों के नाम इस प्रकार हैं :

1. सूबेदार कंवर पाल सिंह, गांव सोहना, जिला गुड़गांव।

2. हवलदार सुरेश कुमार, गांव कोहला, जिला सोनीपत।
3. हवलदार सुरेश चन्द्र, गांव सरूपगढ़, जिला भिवानी।
4. हवलदार नरेन्द्र, गांव गारनपुरा कलां, जिला भिवानी।
5. हवलदार प्रताप सिंह, गांव करीमपुर, जिला फरीदाबाद।
6. हवलदार हंसराज, गांव बलकरा, जिला भिवानी।
7. हवलदार राज सिंह, गांव पटीकरा, जिला महेन्द्रगढ़।
8. हवलदार जोगेन्द्र, गांव सफीपुर, जिला झज्जर।
9. हवलदार बिजेन्द्र सिंह, गांव आकोदा, जिला महेन्द्रगढ़।
10. हवलदार देवेन्द्र कुमार, गांव मांदी, जिला महेन्द्रगढ़।
11. हवलदार जगत सिंह, गांव अभयपुर, जिला गुड़गांव।
12. नायक सुनील कुमार, गांव रप्पोमाजरा, जिला अम्बाला।
13. लांस नायक विकास, गांव रामकली, जिला, जीन्द।
14. लांस नायक, रामेश्वर दास, गांव रजौली, जिला अम्बाला।
15. लांस नायक जगदीश, गांव बेलरखा, जिला जीन्द।
16. सिपाही ओम प्रकाश, गांव संगवाड़ी, जिला रेवाड़ी।
17. सिपाही जसबीर सिंह, गांव बराह खुर्द, जिला जीन्द।
18. सिपाही विकास, गांव डाढीबाना, जिला भिवानी।
19. सिपाही, मनबीर, गांव मालवी, जिला जीन्द।
20. सिपाही गोकल चन्द, गांव दांग कला, जिला भिवानी।
21. सिपाही महाबीर सिंह, गांव खटकड़, जिला जीन्द।
22. सिपाही सन्त कुमार, गांव सिवाना, जिला झज्जर।
23. सिपाही अमित कुमार, गांव गागोली, जिला जीन्द।
24. सिपाही रणबीर सिंह, गांव मंदौली, जिला भिवानी।
25. सिपाही शमशेर सिंह, गांव डाहौला, जिला जीन्द।
26. सिपाही सत्यदेव, गांव सुराना, जिला महेन्द्रगढ़।
27. सिपाही आनन्द कुमार, गांव सुबाना, जिला झज्जर।
28. सिपाही कबीर, गांव बुपनिया, जिला झज्जर।
29. सिपाही हरदास, गांव लोहचबका, जिला गुड़गांव।

यह सदन इन महान् वीरों की शहादत पर इन्हें शत्-शत् नमन करता है और इनके शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

[श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा]

यह सदन

हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री सतविन्द्र सिंह राणा के चाचा **श्री माला सिंह राणा;**

हरियाणा विधान सभा के सदस्य डॉ० शिव शंकर भारद्वाज की माता **श्रीमती राधा देवी;**

हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री कर्ण सिंह दलाल के भाई **श्री मेहर चन्द दलाल;**

हरियाणा विधान सभा की सदस्या श्रीमती राज रानी पूनम के भाई **श्री हवा सिंह ;तथा**

मेरे भाई **श्री जोगेन्द्र सिंह हुड्डा** के दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि स्वतन्त्रता सेनानियों की श्रेणी में श्री बानू राम गुप्ता जो शाहाबाद से थे, वे एक मशहूर स्वतन्त्रता सेनानी थे, कल वे भी हमें छोड़कर चले गये हैं। आपसे मेरी प्रार्थना है कि उनका नाम भी इस सूची में शामिल कर लिया जाये।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, यह नाम शामिल कर लिया जायेगा।

आई.जी. शेर सिंह : स्पीकर महोदय, एक फ्रीडम फाईटर जिनका नाम चौधरी निहाल सिंह, गांव किला जफरगढ़, जिला जींद था उनका भी एक हफ्ता पहले स्वर्गवास हो गया है। मैं अध्यक्ष महोदय से अनुरोध करूंगा कि उनका नाम भी इस सूची में शामिल कर लिया जाये।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, यह नाम शामिल कर लिया जायेगा।

श्री ओम प्रकाश चौटला (रोड़ी) : अध्यक्ष महोदय, पिछले अधिवेशन के बाद और इस अधिवेशन के बीच के अरसे में बहुत से राष्ट्रीय स्तर के साथी, प्रदेश स्तर के नेता और हमारी विधानसभा के पुराने साथी जो रहे हैं वे और कुछ स्वतन्त्रता सेनानी व कुछ देश भक्त हमें छोड़कर इस संसार से चले गये हैं। विशेष रूप से मैं श्री चन्द्र शेखर जी, जो इस देश के प्रधानमंत्री के पद को भी सुशोभित कर चुके हैं, उनका उल्लेख करना चाहूंगा। मेरा उनसे बहुत घनिष्ठ सम्बन्ध रहा है। मैंने उनको बहुत नजदीक से देखा है। शुरू से ही उनमें नेतृत्व की भावना थी। कालेज लाईफ से ही वे राजनीति से जुड़ गए थे। बाद में उन्होंने विश्वविद्यालय के प्रेजीडैंट के तौर पर भी काम किया। वे कई दफा राज्य सभा के सदस्य रहे। वे लोकसभा के सदस्य भी पांच मर्तबा रहे। प्रधान मंत्री के पद पर रहते हुए भी उन्होंने अपनी ख्याति को चार चांद लगाये। वे एक अच्छे राजनेता होने के साथ-साथ एक अच्छे एडमिनिस्ट्रेटर भी थे। वे बहुत निर्भीक और निडर तबीयत के आदमी थे। जो सोच उनके मन में एक बार बैठ जाती थी और यदि वे उसको ठीक समझते तो फिर वे कभी पीछे मुड़ कर नहीं देखते थे। ऐसी महान शख्सियत के चले जाने से इस देश को बहुत बड़ा आघात पहुंचा है। वे एक अच्छे सांसद भी थे और अच्छे प्रशासक भी थे। इसके साथ ही साथ वे बहुत अच्छे वक्ता और संगठनकर्ता भी थे व एक अच्छे समाजसेवी भी थे। श्री चन्द्रशेखर जी की राजनीति के साथ-साथ रचनात्मक कामों में भी बहुत रुचि थी। वे पहले व्यक्ति थे जिन्होंने 4260 किलोमीटर का कन्याकुमारी से लेकर राजघाट तक जनसम्पर्क स्थापित करने के लिए पैदल यात्रा करके देश

के लोगों में आपसी प्रेम-प्यार और भाई चारे की भावना पैदा करने की कोशिश की थी। आज वे हमारे बीच में नहीं हैं। मैं अपनी एवं अपनी पार्टी की तरफ से उनके प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ।

श्री बनारसी दास गुप्ता जी हरियाणा प्रदेश के भूतपूर्व मुख्यमंत्री भी रहे हैं। वे जींद रियासत में प्रजा मण्डल के सचिव भी रहे और प्रेजीडैंट भी रहे। जब अलग से पेप्सू रियासत हुआ करती थी तब वे पहली मर्तबा 1946 में अनअपोज्ड विधान सभा के सदस्य चुने गये थे। वे विधान सभा के अध्यक्ष भी रहे और मुख्यमंत्री के पद को भी सुशोभित किया। वे अच्छे लेखक भी थे, समाजसेवी भी थे और अच्छे एडमिनिस्ट्रेटर भी थे। उनके जाने से न सिर्फ हरियाणा प्रदेश को बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर समूचे अग्रवाल समुदाय को भी बहुत बड़ी क्षति हुई है। मैं अपनी एवं अपनी पार्टी की तरफ से उनके प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

चौधरी साहब सिंह वर्मा जी भी दिल्ली के भूतपूर्व मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए कई ऐसी योजनायें दिल्ली प्रदेश में लागू की जिनकी वजह से आज दिल्ली के लोग बहुत लाभान्वित हो रहे हैं और दूसरे प्रदेश के लोगों ने भी उस चीज को अपनाने का काम किया। वे बहुत सोशल व्यक्ति थे। मुझे उनसे कई मौकों पर मिलने का अवसर मिला। वे एक अच्छे समाजसेवी, अच्छे एडमिनिस्ट्रेटर और अच्छे वक्ता भी थे। उन्होंने सांसद रहते हुए और केन्द्र की मंत्री परिषद में मन्त्री के तौर पर विशेष रूप से गरीब समुदाय के लोगों के लिए बहुत अच्छे कारगर कदम उठाये।

श्री फकीर चन्द अग्रवाल, श्री कुन्दन लाल जी और श्री चूहड़ सिंह जी इस सदन के सदस्य भी रह चुके हैं, वे आज हमारे बीच नहीं रहे। मैं अपनी एवं अपनी पार्टी की तरफ से इन सभी के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ।

अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने जिन स्वतंत्रता सेनानियों के नामों का उल्लेख किया है मैं अपनी तथा अपनी पार्टी की तरफ से उनके प्रति भी अपनी संवेदना प्रकट करता हूं। आहिस्ता-आहिस्ता उन महान देशभक्तों की लिस्ट सीमित होती जा रही है। अब फ्रीडमफाईटर कुछ गिने-चुने रह गये हैं। उनके ऊपर हमें बड़ा मान और बड़ा गर्व है। उन लोगों की कुर्बानियों की वजह से आज समूचा राष्ट्र उनको नमन करता है। इस सदन के माननीय सदस्यों के परिवार के सदस्य विशेष रूप से मुख्य मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह जी हुड्डा के भाई श्री जोगिन्द्र सिंह, हरियाणा विधान सभा के माननीय सदस्य श्री सतविन्द्र सिंह राणा के चाचा श्री माला सिंह राणा, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री शिव शंकर भारद्वाज की माता श्रीमती राधा देवी तथा हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री कर्ण सिंह दलाल के भाई श्री मेहर चन्द दलाल के दुःखद निधन पर मैं गहरा शोक प्रकट करता हूँ। जिन सदस्यों ने कुछ और नामों का भी जिक्र किया है उन सबको आप सूचि में शामिल कर तो रहे ही हैं, उनके प्रति भी मैं अपनी तथा अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

श्री राम कुमार गौतम (नारनौंद) : अध्यक्ष महोदय, मैं श्री चन्द्रशेखर जी, जो इस देश के पूर्व प्रधानमंत्री तथा इस देश के एक महान नेता थे के निधन पर दुःख प्रकट करता हूँ। वे एक सैल्फमेड नेता थे। जीवन में वे जो भी बने उसमें किसी का धोई लेना देना नहीं था । वे अपने एफर्टस से ही बहुत बड़े नेता बने। जिन दिनों मैं चण्डीगढ़ में लॉ करता था उन दिनों वे चण्डीगढ़ आये थे। उस

[श्री राम कुमार गोतम]

समय हम तीन-चार जने उनसे मिले थे तो उन्होंने हमारा बड़ा स्वागत किया और हमारी हौंसला अफजाई भी की कि पॉलिटिक्स में आपका इन्ट्रैस्ट है तो आप आओ और देश के लिए, समाज के लिए कुछ करके दिखाओं। हिन्दुस्तान की सियासत में उनका बहुत बड़ा स्थान था। उनके निधन पर मैं अपनी तथा अपनी पार्टी की तरफ से गहरा शोक प्रकट करता हूँ और उनके शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

श्री बी.डी. गुप्ता, जो हरियाणा के भूतपूर्व मुख्य मंत्री रहे, वे इस देश के महान् स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्होंने हर वर्ग के लिए अपने जीवन में कार्य किये और हरियाणा में उनकी विशेष पहचान थी। बहुत पदों पर उन्होंने काम किया। वे मुख्य मंत्री भी रहे और उप-मुख्य मंत्री भी रहे। उनके इस दुःखद निधन पर पूरे हरियाणा प्रदेश को बहुत बड़ा दुख है। हरियाणा में ही नहीं उनकी सारे देश में बहुत बड़ी पहचान थी और खास तौर से अग्रवाल समाज में। वे सारे देश में जाने जाते थे। मैं अपनी तथा अपनी पार्टी की तरफ से उनके निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूँ और उनके शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

डॉक्टर साहिब सिंह वर्मा, दिल्ली के भूतपूर्व मुख्य मंत्री थे। डॉ. साहिब सिंह वर्मा, भी सैल्फमेड इन्सान थे। उन्होंने जीवन में बहुत तरक्की की और वे एक नेक इन्सान थे। वे नॉर्थ इंडिया के बहुत बड़े नेता थे। वे मुख्य मंत्री रहे, लोकसभा के सदस्य भी रहे तथा दिल्ली मैट्रोपोलिटन काउंसिल के अध्यक्ष भी रहे। उनके देहान्त से देश को बहुत बड़ा नुक्सान हुआ है। वे एक किसान और मजदूर नेता थे। मजदूरों और किसानों ने अपना एक समर्पित नेता खो दिया है। मैं उनके दुखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूँ। वे हमारी पार्टी के एक बहुत बड़े स्तम्भ थे और सारे देश में उनकी अपनी एक विशेष पहचान थी। मैं दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

श्री फकीर चन्द अग्रवाल जी हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य थे और 1968 से वे तीन बार अम्बाला बार कौंसिल के अध्यक्ष रहे। वे एक बहुत ही अच्छे और नेक इन्सान थे। उनके दुःखद निधन पर मैं गहरा शोक प्रकट करता हूं और लाला जी के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, श्री कुन्दल लाल जी हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य थे, उनका भी निधन हो गया है। उन्होंने गरीबों की भलाई के लिए बहुत कार्य किये। वे कुम्हार बिरादरी से सम्बन्ध रखते थे और वे बहुत ही नेक इन्सान थे। उन्होंने सारा जीवन गरीबों के उत्थान के लिए काम किया। उनके दुखद निधन पर मैं गहरा शोक प्रकट करता हूं और उनके शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं

अध्यक्ष महोदय, श्री चूहड़ सिंह के निधन पर भी मैं गहरा शोक प्रकट करता हूं और उनके शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा के उन स्वतन्त्रता सेनानियों के दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं जिन्होंने देश की आजादी के लिए संघर्ष किया और इस देश को आजाद करवाने में अपना बहुमूल्य योगदान दिया। उनके इस बलिदान की वजह से हम आज खुली हवा में सांस ले रहे हैं। उनके इस बलिदान पर हम जितना गर्व करें वह थोड़ा है। हमारा रोम-रोम उनका कृतज्ञ है।

जितने भी नाम मुख्य मंत्री जी ने यहां पर लिये हैं उन सभी स्वतन्त्रता सेनानियों को यह सदन शत्-शत् नमन करता है। उनके दुःखद निधन पर मैं गहरा शोक प्रकट करता हूं और उनके शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

हरियाणा के शहीद, जिनके नाम माननीय मुख्य मंत्री जी ने सदन में लिये हैं मैं उन सभी के निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूँ। यह सदन उन वीर सेनानियों को अश्रुपूर्ण विदाई देता है जिन्होंने हमारी मातृभूमि की रक्षा के लिए तथा इस देश की एकता और अखण्डता की रक्षा के लिए अपने जीवन का बलिदान किया। मैं उन सभी हरियाणा के शहीदों को अपना नमन करता हूँ और उनके शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

हरियाणा के मुख्य मंत्री भाई भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के भाई श्री जोगिन्द्र सिंह हुड्डा जिनका काफी दिन बीमार रहने के बाद निधन हो गया, मैं उनके निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं। वे बहुत ही छोटी उम्र में इस संसार से चले गये। उनके शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति मैं हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ। हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री सतविन्द्र सिंह राणा के चाचा श्री भाला सिंह राणा, हरियाणा विधान सभा के सदस्य डॉ. शिव शंकर भारद्वाज की माता श्रीमती राधा देवी जिन्होंने डॉ. शिव शंकर भारद्वाज जैसा लाल पैदा किया उनके निधन पर मैं गहरा शोक प्रकट करता हूं। डॉ. शिव शंकर भारद्वाज ने उनकी प्रेरणा से सारी जिन्दगी बहुत ही महान कार्य किये और आज वे इस महान सदन में एम.एल.ए. चुन कर आए हैं। अपनी माती जी के प्रति उनमें भारी श्रद्धा थी। उनके निधन पर मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करता हूं। श्री करण सिंह दलाल के भाई श्री मेहर चन्द दलाल का भी निधन हो गया है। श्री करण सिंह दलाल जी को उनका बहुत सहारा रहा। उनकी जिन्दगी में जो भी कष्ट आए उन कष्टों का उन्होंने बहादुरी से सामना किया। श्री कर्ण सिंह दलाल जी को भाई मेहर चन्द दलाल और इनके सभी भाईयों का आशीर्वाद और साथ प्राप्त था, उसी वजह से ये इतनी तकलीफों का बहादूरी से सामना कर पाए। मैं इन सभी दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

शिक्षा मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता) : अध्यक्ष महोदय, पिछले विधान सभा के अधिवेशन के खत्म होने के बाद से और आज इस सदन के अधिवेशन के शुरू होने से पहले हमारे बीच में से कुछ ऐसे महान नेता जिनकी ख्याति सारे भारतवर्ष में थी, कुछ ऐसे नेता जिनका हरियाणा प्रदेश और देश की राजनीति में बहुत ऊंचा नाम था, कुछ ऐसे विधायक जिन्होंने अपने अपने हल्कों की नुमायंदगी करते हुए जनता की सेवा की, कुछ ऐसे स्वतन्त्रता सेनानी जिनकी कुर्बानियों की बजह से आज हम आजाद देश में आजादी का सुख भोग रहे हैं और कुछ ऐसे सिपाही जो देश की रक्षा करते हुए बॉर्डर पर लड़ते हुए हमारे बीच में से चले गए हैं। उनके बारे में हमारे सदन के नेता श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने सदन में जो शोक प्रस्ताव रखा है मैं भी अपने आपको उसके साथ जोड़ता हूँ।

अध्यक्ष महोदय, मैं सबसे पहले भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्री चन्द्रशेखर जो कई बार राज्य सभा के सदस्य रहे और कई बार पार्लियामैंट के सदस्य भी रहे थे के दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूँ। अध्यक्ष महोदय, उनके साथ मेरा व्यक्तिगत रूप से कोई खास सम्बन्ध नहीं था। कांग्रेस पार्टी के अधिवेशन में मैंने उनको निडरता से पार्टी के मंच पर बोलते हुए सुना। उनकी

[श्री मांगे राम गुप्ता]

छाप कांग्रेस पार्टी में इस किस्म के नेता की थी, जो देश के हितों के लिए, जनहित के लिए अपनी सरकार के सत्ता में होते हुए भी खुले तौर पर बातें कहते रहते थे। उनके जाने से हमारे देश को बहुत नुकसान हुआ है। मैं अपनी तरफ से उस महान आत्मा के चरणों में और दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, श्री बनारसी दास गुप्त जो कि हरियाणा के मुख्यमंत्री भी रहे थे वे आज हमारे बीच में नहीं है। उनके जाने से हरियाणा ने एक बहुत ही महान् सपूत और स्वतंत्रता सेनानी को खो दिया है। अध्यक्ष महोदय, उन्होंने हरियाणा प्रदेश में पार्टी के बहुत से पदों पर रहते हुए जनता की सेवा की थी। इसके अलावा वे हमारे अग्रवाल समाज के प्रदेश स्तर के ही नहीं बल्कि अखिल भारतीय स्तर के बहुत बड़े सम्मानित नेता रहे हैं। वे हरियाणा विधान सभा के अध्यक्ष पद पर भी रहे। उन्होंने विभिन्न पदों पर रहते हुए अग्रवाल समाज के संगठन के लिए बहुत सेवा की और हमारे समाज को आगे लाने के लिए बहुत सी बढ़िया कदम उठाए थे। अध्यक्ष महोदय, मुझे भी उनकी छत्रछाया में राजनीति में और अग्रवाल समाज के प्रदेश के अध्यक्ष और अखिल भारतीय स्तर पर उपाध्यक्ष के पद पर रहते हुए उनके साथ काम करने का मौका मिला था। उनकी छवि इतनी ऊंची थी कि कोई भी उनके विचारों का विरोध नहीं कर सकता था। उनके जाने से प्रदेश की राजनीति में और हमारे समाज को बहुत नुकसान हुआ। अध्यक्ष महोदय, उन्हें छोटी उम्र में ही देश की सेवा करने की पीड़ा उठी और छात्र होते हुए भी देश की आजादी की लड़ाई में कूद गए थे। अध्यक्ष महोदय, बहुत ही कुर्बानियों के बाद यह देश आजाद हो गया, लेकिन उनके मन में हमेशा एक पीड़ा रही थी कि जिस गांव में उन्होंने जन्म लिया था वह हमारी रियासत जींद का ही गांव था। मैं भी जींद रियासत का ही रहने वाला हूं। जिसकी कुर्बानियों से देश आजाद हुआ हो और अगर अपना गांव आजाद न हो तो यह ठीक नहीं लगता और यही पीड़ा उनके दिल में रही। उन्होंने जींद में आकर एक प्रजा मंडल कायम किया और अच्छे अच्छे व्यक्तियों को साथ लेकर जींद रियासत को खत्म करवाने के लिए आन्दोलन किया। मैं अपना भी सौभाग्य समझता हूं क्योंकि उन दिनों जब मैं दसवीं क्लास में पढ़ता था तो वहीं पर हमारे स्कूल के साथ ही उनका आन्दोलन हुआ था। जब रियासत जींद के सिपाहियों की लाठी हमारे उन महान नेताओं के सिर के ऊपर पड़ी थीं तो एक छात्र के नाते उस वक्त हमारे ऊपर भी लाठियां पड़ी थीं। उसी दिन से हमारे अंदर भी देश के प्रति भावना जागृत हो गयी कि देश के लिए अगर कुछ भी करना पड़े तो व्यक्ति को आगे रहना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, जब उनका निधन हुआ और जिस दिन उनका अंतिम संस्कार हुआ उस दिन वहां पर हमारे मुख्यमंत्री जी ही नहीं बल्कि भारतवर्ष के कई केन्द्रीय मंत्री, एम.पीज., हरियणा प्रदेश के विरोधी पक्ष के नेता और बहुत से उच्च कोटि के नेता चाहे वह किसी भी पार्टी से संबंधित हो, सब के सब नेताओं ने वहां पर जाकर उनको श्रद्धांजलि दी। मैं मुख्यमंत्री का इस बात के लिए आभार प्रकट करता हूं कि उन्होंने समाज के बगैर मांगे ही सरकार की तरफ से पांच एकड़ जमीन उनके अंतिम संस्कार के लिए अलौट कर दी। पूरे समाज ने इसके लिए मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद किया है। सरकार ने उस जमीन को डिवैल्प करने के लिए बहुत कुछ देने का फैसला भी किया है। ऐसे महान व्यक्ति के हमारे बीच में से चले जाने पर मैं भी अपनी तरफ से उनके प्रति और उनके परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, श्री साहिब सिंह वर्मा बी0जे0पी0 के नेता रहे हैं। वे विधान सभा के लिए

भी चुने गये और मुख्यमंत्री भी रहे। मेरा पार्टी के नाते तो उनसे कोई संबंध नहीं था लेकिन जब भी दिल्ली में दिल्ली कोरपोरेशन या विधान सभा के चुनाव होते थे तो मेरी पार्टी की तरफ से उन चुनावों में ड्यूटी लगती थी और उनको जो अपना विधान सभा क्षेत्र शालीमार बाग होता था उसमें हमारे हरियाणा के, हमारे जींद के हमारे समाज के बहुत से लोग रहते हैं इसलिए मेरी ड्यूटी वहां पर लगती थी। मुझे पता है कि वे बहुत ही सीधे स्वभाव के आदमी थे। हमने उनके अंदर कभी भी घमंड नहीं देखा। कन्वैसिंग करते हुए जब भी सादा जीवन बीता। ऐसे एक योग्य प्रशासक के हमारे बीच में से चले जाने पर हमें बहुत सदमा पहुंचा है। अध्यक्ष महोदय, मैं भी अपनी तरफ से उनके शोक संतप्त परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, हमारे हरियाणा विधान सभा के भी तीन भूतपूर्व सदस्य पिछले दिनों हमारे बीच में से चले गये। इनमें एक तो अम्बाला से फकीर चन्द अग्रवाल जी थे। वे बहुत ही उच्च कोटि के वकील और बहुत ही मिलनसार व्यक्ति थे। उन्होंने बहुत ही सादा जीवन व्यतीत किया। इसी तरह से चुहड़ सिंह जी और कुन्दन लाल जी भी इस सदन के सदस्य थे। अध्यक्ष महोदय, आप जानते ही हैं कि कुन्दन लाल जी बैकवर्ड क्लास से थे और हमारे जिले से संबंध रखते थे। उन्होंने अपनी सारी राजनीति में मेरा साथ दिया। वे बहुत ही मेहनती व्यक्ति और पक्के कांग्रेसी थे। अध्यक्ष महोदय, हमने बहुतों को बदलते हुए देखा है लेकिन चाहे कैसा भी समय आया हो कुन्दन लाल जी के बारे में यह मशहूर था कि उन्होंने मरते दम तक कांग्रेस का लिबास ओढ़े रखा और सिर पर टोपी के नाम से मरते वक्त तक उनका नाम रहा। वे गरीब जरूर थे लेकिन वे पक्के कांग्रेसी थे। हम कांग्रेस पार्टी के भी आभारी हैं कि बैकवर्ड क्लास का व्यक्ति होते हुए भी उस व्यक्ति की योग्यता कहें, या ईमानदारी कहें, उसको सफीदों हल्के से टिकट दी गई। लोगों ने उनकी मेहनत और ईमानदारी को देखते हुए उसको बहुत अच्छे मतों से चुना। मुझे उनके निधन से बहुत दुख हुआ है। मैं अपनी तरफ से उनके परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, स्वतंत्रता सेनानियों का बहुत बड़ा योगदान इस देश की आजादी में रहा है। आज के दिन कुछ स्वतंत्रता सेनानी बचे हुए थे, वे हमारे बीच में से धीरे-धीरे जा रहे हैं। उनका स्वर्गवास होने पर बड़ा दुख होता है। आज जब मैं चण्डीगढ़ आ रहा था तो भानू राम गुप्ता जी के बारे में उसके लड़के का टैलीफोन आया कि पिता जी का स्वर्गवास हो गया है वे काफी समय तक हमारे साथ रहे। वे बहुत बड़े स्वतंत्रता सेनानी रहे। उनके साथ मुझे कई अवसरों पर काम करने का मौका मिला। विधान सभा का अधिवेशन होने के कारण मैं उसकी अंत्येष्टि में शामिल तो नहीं हो सका लेकिन उसके निधन का बड़ा दुख हो रहा है। ऐसे स्वतंत्रता सेनानी हमारे बीच में से चले जाएं तो दुख तो होता ही है। हरियाणा के लोगों को भी दुख हो रहा है। उसके परिवार के प्रति भी हमारी संवेदना है। इन शोक प्रस्तावों में शहीद सिपाहियों की भी लिस्ट दी है। बहुत से सिपाहियों ने देश की सुरक्षा के लिए अपनी जान की कुर्बानी दी है। मैं उन महान वीरों के शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, हमारे सदन के नेता और हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के बड़े भाई श्री जोगेन्द्र सिंह हुड्डा के बारे में हरियाणा के सभी व्यक्ति जानते हैं। वे बहुत ही मिलनसार थे। उनके निधन का भी बहुत दुख है। मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि मुख्यमंत्री जी की कोई भी राजनीतिक या सामाजिक बात जो वे देखते थे, जो उनका प्यार था वह शायद बहुत ही कम लोगों में देखने को मिलता है। उनके पास कोई साधारण से साधारण या गरीब

[श्री फूल चन्द मुलाना]

से गरीब व्यक्ति भी जाता था तो आम चर्चा थी कि उसका दुख निवारण करने में वे बहुत कोशिश करते थे। इसी प्रकार से हमारे साथी श्री सतविन्द्र सिंह राणा के चाचा जी श्री माला सिंह राणा का निधन हुआ। उनके निधन का भी मुझे बहुत दुख है। शिव शंकर भारद्वाज की माता श्रीमती राधा देवी के बारे में जैसा श्री राम कुमार गौतम जी ने कहा कि वे बहुत ही भली औरत थी। अच्छी औरत ने अच्छे पुत्र को जन्म दिया जिसका नाम भिवानी के लोग ही नहीं हरियाणा के लोग ले रहे हैं। श्री कर्ण सिंह दलाल सीनियर विधायक हैं। उनके भाई श्री मेहर चन्द दलाल का दुखद निधन हो गया है। इन सब महानुभावों के दुखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं। परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि शोक संतप्त परिवारों को सुख शांति दे। मैं उनके प्रति हार्दिक संवेदना भी प्रकट करता हूं।

श्री फूल चन्द मुलाना (एस.सी.,मुलाना) : माननीय अध्यक्ष जी, सदन के नेता ने शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मैं भी इन शोक प्रस्ताव से अपने आपको जोड़ता हूं। अध्यक्ष जी, इस जीवन में हर व्यक्ति की सबसे बड़ी इच्छा होती है कि मैं जीवित रहूं और जीवित होते हुए सबसे बड़ी इच्छा यह होती है कि मैं सुखी रहूं। उस सुख की प्राप्ति में मनुष्य जीवन बिता देता है किन्तु विधि का विधान अजीब है। इस लोक को मृत्यु लोक कहा गया है। जब बालक जन्म लेता है तो वह रोता है क्योंकि उसको मालूम है कि मृत्यु को प्राप्त होना है। फिर भी मनुष्य जीवनपर्यन्त चेष्टा करता रहता है कि मैं जीवन की लड़ाई लड़ूं। अध्यक्ष जी, कबीर साहब ने बहुत ही साफ कहा है:--

झूठे सुख को सुख कहे, मानत है मन मोद।
जगत चबीणा काल का, कुछ मुख में कुछ गोद।।

अध्यक्ष महोदय, आज सदन में जो प्रस्ताव आया है उसके बारे में मैं, भी कुछ कहना चाहता हूं। श्री चन्द्रशेखर जी, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री थे। वे कांग्रेस के एक युवा और बहुत प्रखर नेता थे। उनको यंग प्रखर के नाम से जाना जाता था उनकी विचारधारा बहुत स्पष्ट थी और वे बहुत विख्यात थे। वे बहुत अच्छे पार्लियामैंटेरियन थे लेकिन मौत का हथौड़ा कब किस पर पड़ जाए यह किसी को मालूम नहीं है। वे भी हमको छोड़कर चले गये हैं। उनके निधन से हमें गहन शोक है।

श्री बनारसी दास गुप्ता जी बहुत ही परम विख्यात व्यक्ति थे। समाज सेवी थे। गरीब परिवार से थे। जब वे वर्ष 1972 से 1977 तक विधान सभा के सदस्य रहे तब मुझे उनके साथ रहने का मौका मिला। उस अर्से के दौरान उनको इस सदन का स्पीकर बनने का मौका मिला, वे मंत्री भी रहे और मुख्यमंत्री भी बने। उसके बाद एक बार फिर वे इस प्रदेश के मंत्री बने और मुख्यमंत्री भी बने। गुप्ता जी ने ठीक ही कहा है। कि उन्होंने प्रजा मण्डल का गठन किया। रियासत के राजाओं से जनता को मुक्ति दिलवाई। लेकिन मुक्ति दिलाते दिलाते बीमार हो गये, गिर पड़े और बिस्तर में इस प्रकार मग्न हो गये कि उठ ही नहीं सके। किसी शायर ने कहा है कि--

"कल तक तो कहते थे कि बिस्तर से उठा जाता नहीं,
आज दुनिया से चले जाने की ताकत आ गई।"

उनके निधन से मुझे बहुत खेद है।

आदरणीय अध्यक्ष जी, श्री साहिब सिंह वर्मा एक सामाजिक व्यक्ति थे। मुझे उनसे मिलने

का कई बार मौका मिला। वे समाज सेवा में लीन रहते थे, जब मैं शिक्षा मंत्री था तो कई बार उनका टेलीफोन आता था। वे देहात के प्रति हमेशा प्रयत्नशील रहते थे कि देहात का विकास हो। आज वे हम से विदा हो गये। मैं उनके प्रति अपनी श्रद्धांजलि व्यक्त करता हूं।

श्री फकीर चन्द अग्रवाल बहुत प्रख्यात क्रिमिनल लॉयर थे तथा 90 साल की आयु में भी बहुत अच्छी वकालत करते थे। वे अम्बाला के रहने वाले थे व मेरे पड़ौसी थे। उन्हें विधायक रहने का भी मौका मिला । वे इतने विनम्र थे कि जिनकी तुलना करना कठिन है। मुझे उनके निधन से गहन दुःख हुआ है।

आदरणीय अध्यक्ष जी, श्री कुन्दन लाल जी मेरे साथ विधायक रहे। वे बहुत सादे व्यक्ति थे तथा पिछड़े वर्ग से संबंधित थे। गरीब व्यक्ति जिसको आवश्यकता होती थी वे उसकी सहायता के लिए सदा प्रयत्नशील रहते थे। उनके निधन से दलितों और पिछड़े वर्ग के लोगों को बहुत दुख हुआ है।

चौधरी चूहड़ सिंह जी इस सदन के सदस्य रहे। वे सादे आदमी थे, मिलनसार थे और जनता की जिम्मेवारी भी अच्छी तरह निभाते थे। वे भी हमसे विदा हो गये है। अध्यक्ष जी, आज हरियाणा के स्वतंत्रता सेनानी भी धीरे-धीरे कम होते जा रहे हैं। उनकी मेहनत से ही आज हम आजादी की हवा खा रहे हैं। उन वीरों को क्या मालूम था कि हमारा देश आजाद होगा और देश में क्या-क्या सुविधाएं होंगी। उन्होंने तो अपनी अंधी जवानी अंग्रेजों की जेलों में बिता दी। उनके परिवार वालों ने भी बहुत दुख झेले थे और अंग्रेज उन पर भी अत्याचार करते थे। अध्यक्ष महोदय, हम कहानियों में पढ़ते हैं कि अंग्रेज किस प्रकार से स्वतंत्रता सेनानियों पर अत्याचार करते थे। अंग्रेजों की जेलों में रातों-रात स्वतंत्रता सेनानियों को पीटा जाता था। उनके हाथ पीछे बांध दिये जाते थे और खड़े-खड़े उनको भोजन दिया जाता था। आज एक-एक करके हमारे स्वतंत्रता सेनानी हमें छोड़कर जा रहे हैं। हम उनकी सेवाओं को कभी भुला नहीं सकते। आज जिन महान स्वतंत्रता सेनानियों के नाम सदन में सदन के नेता ने पढ़कर सुनाये हैं, मैं अपनी तरफ से और अपनी कांग्रेस पार्टी की तरफ से उनके प्रति हार्दिक संवेदना और आभार प्रकट करता हूं तथा उन्हें शत्-शत् नमन करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त हरियाणा के बहुत सारे वीर सैनिक इस देश की एकता और अखण्डता की रक्षा करते हुए शहीद हो गये। उनके नाम मुख्यमंत्री जी ने सदन में पढ़े हैं। उनको भी मैं अपनी तरफ से और अपनी कांग्रेस पार्टी की तरफ से नमन करता हूं, सैल्यूट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, आदरणीय मुख्यमंत्री जी के बड़े भाई श्री जोगेन्द्र सिंह हुड्डा जी भी मृत्यु को प्राप्त हो गये। मालूम नहीं था ऐसा हो जायेगा। कुछ दिन पहले हमने इकट्ठा कॉफी पी थी। अचानक वे हास्पिटल में दाखिल हो गये और हमारे मुख्यमंत्री जी भी उनकी सेवा में हास्पिटल में बहुत व्यस्त रहे। अध्यक्ष महोदय, यह बात आप भलीभांति जानते हैं कि वे मुख्यमंत्री जी के राजनैतिक सहयोगी थे वे मुख्यमंत्री जी का सारा काम देखते थे । उनके निधन से हमको बहुत दुख पहुंचा है, अब हम उनकी सेवाओं से वंचित हो गये हैं।

अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त हमारी विधान सभा के सदस्य हमारे भाई श्री सतविन्द्र सिंह राणा के चाचा श्री माला सिंह राणा, हमारी विधान सभा के सदस्य हमारे भाई

डा० शिव शंकर भारद्वाज की माता श्रीमती राधा देवी और हमारी विधान सभा के सदस्य हमारे भाई कर्ण सिंह दलाल के भाई श्री मेहर चन्द दलाल के दु:खद निधन पर हमें गहरा शोक है। अध्यक्ष जी, यह विधि का विधान है कि जो आया वह चला गया। जैसा कि बाणी में कहा गया है

'राम गयो रावण गयो, जांका बहु परिवार

कहे नानक थिर कुछ नहीं, सपना ज्यों संसार।'

अध्यक्ष महोदय, इन शब्दों के साथ मैं निवेदन करूंगा कि यह सदन इन शोक प्रस्तावों को पारित करे और परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करूंगा कि इन दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करे और शोक संतप्त परिवार के सदस्यों को असहनीय सदमा सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मुख्यमंत्री जी ने जो शोक प्रस्ताव सदन में रखा है और दिवंगत आत्माओं के प्रति माननीय सदस्यों ने जो अपने विचार प्रकट किये हैं, मैं भी अपने आपको उन भावनाओं के साथ जोड़ता हूं। पिछले अधिवेशन के समाप्त होने के पश्चात् और इस अधिवेशन के आरम्भ होने के बीच में हमारे बीच में से कई महान विभूतियां इस दुनियां को छोड़कर चली गई हैं।

सबसे पहले मुझे श्री चन्द्र शेखर, पूर्व प्रधानमन्त्री के निधन पर गहरा शोक है। वे एक बहुत ही निडर, सुलझे हुए और आत्मविश्वास से परिपूर्ण नेता थे। जब देश राजनीतिक संकट से गुजर रहा था तो उन्होंने उस समय के हालातों को देखते हुए देश के प्रधानमंत्री जैसे उच्च पद को सम्भाला और अपनी कार्य कुशलता से उच्च पद की गरिमा को बढ़ाया । श्री चन्द्र शेखर जी ने अभूतपूर्व कार्य किये और अपनी सक्षम एवं असाधारण कार्य कुशलता से सारे देश को प्रभावित किया। उनके निधन से देश ने एक अभूतपूर्व राजनीतिज्ञ तथा कुशल प्रशासक खो दिया है।

मुझे श्री बनारसी दास गुप्ता, पूर्व मुख्यमंत्री हरियाणा तथा पूर्व स्पीकर हरियाणा विधान सभा के निधन पर गहरा शोक है। उनका निधन लम्बी बीमारी के बाद 90 साल की आयु में हुआ। श्री गुप्ता जी 20 साल की आयु में ही प्रजा मण्डल आन्दोलन में शामिल हो गए और देश की आजादी के प्रति पूर्ण भावना से समर्पित कार्यकर्ता थे और देश की आजादी हासिल करने के लिए उन्होंने उस समय के नेताओं के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर देश की आजादी के लिए कार्य किया। इस सम्बन्ध में वह तीन बार जेल में भी गये। वे 1946 में जीन्द राज्य असैम्बली के निर्विरोध सदस्य चुने गए। सन् 1975 में जब चौधरी बंसी लाल केन्द्र में मंत्री बने तो वह पहली बार प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। बाद में भी 1989 में वह मुख्य मंत्री रहे। इससे पहले वे उप मुख्य मंत्री और मंत्री भी रहे। वे 1996 में राज्य सभा के लिए चुने गए। मुझे भी उनके साथ मंत्री परिषद में काम करने का अवसर मिला। श्री बनारसी दास गुप्ता जी ने 03 अप्रैल, 1972 से दिनांक 15 नवम्बर, 1973 तक हरियाणा विधान सभा के अध्यक्ष के उच्च पद को भी सुशोभित किया। उन्होंने अपनी कार्य कुशलता से सभी जिम्मेवारियों को बड़े अच्छे ढ़ग से निभाया। वह एक अच्छे समाज सुधारक भी थे और सामाजिक बुराईयों के खिलाफ लड़ते थे। शिक्षा के क्षेत्र में भी उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। वह कई शिक्षा संस्थानों की मैनिजिंग कमेटियों के प्रधान भी रहे। समाज के प्रति उनकी सेवाएं अमूल्य हैं। उनके निधन से हम सभी ने उच्च कोटि का समाजसेवी तथा नेता खो दिया है।

मुझे डॉ० साहिब सिंह वर्मा, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री के निधन पर भी गहरा शोक है।

उन्होंने दिल्ली प्रदेश की खूब सेवा की। वह केन्द्र सरकार में मंत्री भी रहे। वह एक कुशल राजनीतिज्ञ थे। उनके निधन से हमने एक महान् समाज सुधारक तथा नेता खो दिया है।

मुझे इस सदन के भूतपूर्व सदस्यों श्री फकीर चंद अग्रवाल, श्री कुन्दन लाल और श्री चूहड़ सिंह के निधन पर भी गहरा शोक है। ये तीनों भूतपूर्व सदस्य एक सच्चे समाजसेवी थे।

इनके साथ ही मैं स्वतन्त्रता सेनानियों, जिनका नाम माननीय मुख्य मंत्री जी ने अपने शोक प्रस्ताव में लिया है, के निधन पर भी गहरा शोक प्रकट करता हूं। इन सभी स्वतन्त्रता सेनानियों ने देश की आजादी के लिए अपनी जान की परवाह न करते हुए आन्दोलन किये और अपने-अपने ढंग से देश को आजाद कराने के लिए अभूतपूर्व कार्य किया। मुझे हरियाणा के उन सभी शहीदों, जिनका नाम मुख्यमंत्री जी ने अपने शोक प्रस्ताव में लिया है और जिन्होंने देश की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिये, की कुर्बानी पर गहरा दुख है। मैं इन सभी स्वतन्त्रता सेनानियों तथा शहीदों को कोटि-कोटि प्रणाम करता हूं।

मुझे श्री जोगिन्द्र सिंह हुड्डा, मुख्य मंत्री के भाई के असामयिक निधन पर गहरा दुख है। वह एक अच्छे, नेक दिल, सहनशील, नर्म स्वभाव के और बेहतरीन व्यक्तित्व के स्वामी थे। उन्होंने अपने परिवार के साथ मिलकर समाज सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ी। उनके निधन से न केवल मुख्यमंत्री जी को निजी दुख हुआ बल्कि हम सभी को उनके निधन से क्षति पहुंची है।

मुझे श्री सतविन्द्र सिंह राणा के चाचा श्री माला सिंह राणा, डॉ० शिव शंकर भारद्वाज की माता श्रीमती राधा देवी और श्री कर्ण सिंह दलाल के भाई श्री मेहर चन्द दलाल के निधन पर भी गहरा दुख है। मुझे मैडम राजरानी पूनम के भाई श्री हवा सिंह के निधन पर भी गहरा दुख है।

इन सभी दिवंगत आत्माओं के शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति मैं अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। मैं परमपिता परमात्मा से दिवंगत आत्माओं को शान्ति प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं। उन शोक संतप्त परिवारों तक इस सदन की संवेदना पहुंचा दी जाएगी। अब मैं दिवंगत आत्माओं के सम्मान में उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन धारण करने के लिए सदन के सभी सदस्यों से खड़ा होने के लिए अनुरोध करता हूं।

(इस समय सदन में उपस्थित सभी माननीय सदस्यों ने दिवंगत आत्माओं के सम्मान में खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण किया)

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now, the House stands adjourned till 9.30 A.M. tomorrow, the 18th September, 2007.

*15.01 Hrs. (The Sabha then *adjourned till 9.30 A.M. on Tuesday, the 18th September, 2007.)

43419–H.V.S.–H.G.P., Chd.